आलस्य और अलबेलापन - 37

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ आज बापदादा वाणी अर्थात् बोल की तरफ विशेष अटेन्शन दिला रहे हैं। क्योंकि बोल का सम्बंध अपने साथ भी है और सर्व के साथ भी है। और देखा क्या? मन्सा द्वारा याद में रहना है - उसके लिए फिर भी बीच-बीच में प्रोग्राम रखते हैं। लेकिन बोल के लिए अलबेलापन ज्यादा है, इसलिए बापदादा इस पर विशेष अंडरलाइन करा रहे हैं।

➳ _ ➳ **दो वर्ष पहले बापदादा ने विशेष पुरुषार्थ में सेवा में आगे बढ़ने वाले महारथी आत्माओं को और सभी को तीन बातें बोल के लिए कहीं थीं - 'कम बोलों, धीरे बोलो और मधुर बोलो'।** व्यर्थ बोलने की निशानी है - वह ज्यादा बोलेगा, मजबूरी से समय प्रमाण, संगठन प्रमाण अपने को कंट्रोल करेगा लेकिन अंदर ऐसा महसूस करेगा जैसे कोई ने शान्ति में चुप रहने लिए बांधा है।

➳ _ ➳ व्यर्थ बोल बड़े-ते-बड़ा नुकसान क्या करता है? **एक तो शारीरिक एनर्जी समाप्त होती क्योंकि खर्च होता है और दूसरा - समय व्यर्थ जाता है।** व्यर्थ बोलने वाले की आदत क्या होगी? **छोटी-सी बात को बहुत लंबा-चौड़ा करेगा और बात करने का तरीका कथा माफिक होगा। (14.01.1990)**

➢ बच्चो के प्रकार

➳ _ ➳ दो प्रकार के बच्चे है

→ **तीव्र पुरुषार्थी**

■ तीव्र पुरुषार्थी अर्थात **FIRST DIVISION** में आने वाले

→ **पुरुषार्थी**

■ पुरुषार्थी अर्थात **SECOND DIVISION** में आने वाले

➳ _ ➳ प्राप्ति / पालना / पढाई सबको समान दी गई है

→ फिर भी अंतर है क्युकी,

■ संकल्प शक्ति का जिस रीती से प्रयोग करना चाहिये, नही कर रहे है

■ वाणी / बोल पर ज्यादा अटेंशन नही देते

➢➢ व्यर्थ बोल

➳ _ ➳ व्यर्थ बोल से **PHYSICAL ENERGY** भी वेस्ट होती है

➳ _ ➳ व्यर्थ बोल से **TIME WEST** होता है

➢➢ व्यर्थ बोल की परिभाषा

➳ _ ➳ 5 प्रकार के व्यर्थ बोल

→ **हँसी मजाक** (लिमिट से बहार वाला)

- हँसी मजाक अगर करना भी है तो,
  - उसमे रूहानियत होनी चाहिये
  - किसी न किसी आत्मा को उससे फायदा होना चाहिये
  - ऐसा हँसी मजाक जिसमे विकार की बदबू हो, ऐसा हँसी मजाक नहीं करना चाहिये

→ **टोंट करना**

- किसी की कमजोरी / गलती को बार बार याद दिलाना
- तीर चुभाना
- कमेंट करना
- व्यंग बाण छोड़ना

→ **व्यर्थ की बाते इकठ्ठा करना और सुनाना**

- जहा बाते है, वहा बाप नहीं

→ **सेवा समाचार सुनाते सुनाते, सेवा साथियों की, सेवाधारियो की कमजोरियों का वर्णन करना और और उसमे रस लेना**

→ **अयुक्तियुक्त बोल**

- बोल में रमणीकता ऐसी होनी चाहिये
  - स्थान देखकर
  - व्यक्ति देखकर
  - समय देखकर
  - संगठन देखकर
  - वातावरण देखकर
- इन पांचो मेसे अगर एक भी बात कम है तो वो व्यर्थ की श्रेणी में आयेगा, उसे रमणीकता नही कहा जायेगा

➢➢ बोल

➳_ ➳ तुम सद्गुरु की संतान हो, उसके हर बोल महावाक्य कहे जाता है

→ **इसलिए तुम्हारे हर बोल भी महावाक्य होने चाहिये**

- ऐसे महावाक्य होने चाहिये की आत्माओ को लगे की,
  - यह कुछ बोले
  - सुनने के लिये चात्रक हो

➳_ ➳ जितना आवश्यक हो, जितना युक्तियुक्त बोल हो

- वह **DIAMOND SPEECH** है
  - **CONTROLLED SPEECH THAT IS DIAMOND**

➢➢ बोल का संबंध किस से है ?

➳_ ➳ **भावनाओ से**

➳_ ➳ **सोच से**

➳_ ➳ बोल का सीधा संबंध **FEELINGS** और **EMOTIONS** से है

- अगर धृणा, द्वेश, नफरत का सूक्ष्म में भी अंश है,
  - तो वह वंश बन जायेगा
  - वह अंश का **PURIFICATION** करना है
  - वरना वो 10 20 साल के बाद भी बोल के रूप में प्रगट होंगे
  - इसलिए हरेक आत्मा के प्रति **शुभ भावना और शुभ कामना** रखनी है
  - जिनको हमने कडवे बोल बोले है, दुःख दिया है, द्वापर से अब तक उन एक एक आत्मा को इमर्ज करो,
  - उनसे माफ़ी मांगो, माफ़ करो
  - और हिसाब किताब को चुक्तु करो

➳_ ➳ एक एक भावना का शुद्धिकरण करना है

- ताकि हमारे बोल भी शुद्ध हो जाय

➳_ ➳ बोल का सीधा संबंध बिज से भी है

- और बिज संकल्प से और भावनाओ से ही बोया जाता है
  - इसलिए सबसे पहले भावनाओ का **पवित्रीकरण** करना है

➳_ ➳ **PURIFICATION OF EMOTIONS & FEELINGS**

➳_ ➳ **LEEDS THE PURIFICATION OF WORD'S & SPEECH**

➢➢ बोल कैसे हो ?

➳_ ➳ हमारे बोल ऐसे होने चाहिए..

→ आत्मा समझ आत्मा को बोल रहे है यह भाव हो

→ मधुर

→ बोल में रिगार्ड हो

→ सुखदाई

→ वरदानी

→ स्वमानयुक्त

→ युक्तियुक्त

→ सारयुक्त

→ दुःख हरने वाले

→ दुआये देने वाले

→ उमंग उत्साह बढ़ाने वाले

→ प्राप्ति कराने वाले

→ ख़ुशी दिलाने वाले

→ हिम्मत दिलाने वाले

→ साहस दिलाने वाले

→ ज्ञानयुक्त

→ योगयुक्त

→ राजयुक्त

→ रूहानियत से भरपूर

→ बलशाली

→ शक्तिशाली

→ प्रभावशाली

→ आगे बढ़ाने वाले

→ LIMITED

→ सत्य बोलो

→ प्रिय बोलो

→ धीरे बोलो

→ कम बोलो

→ मीठा बोलो

→ सम्मानयुक्त

→ त्रिकालदर्शी स्थिति में स्थित हो बोले जाने वाले

→ प्रेरणादाई

→ NON ARGUMENTATIVE बोल

→ RECORD करने जैसे बोल हो

→ महावाक्य हो

➢➢ बोल कैसे न हो ?

➳_ ➳ हमारे बोल ऐसे नही होने चाहिए..

→ दु:ख देने वाले

→ पीड़ा देने वाले

→ कष्ट देने वाले

→ तीर की तरह चुभने वाले

→ DISTRUBE करने वाले

→ निचे गिराने वाले

→ हिम्मतहीन करने वाले

→ शक पैदा करने वाले

→ दिलशिकस्त करने वाले

→ JUDGMENTAL बोल

→ कमेंट करने वाले

→ अनुमान करने वाले

→ ARGUMENTATIVE बोल न हो

→ अहंकार वाले

→ इर्ष्या वाले

→ द्वेष वाले

→ झरमुई जगमुई वाले बोल

→ निरुत्साही करने वाले